शुक्रवार
28 अप्रैल 2023

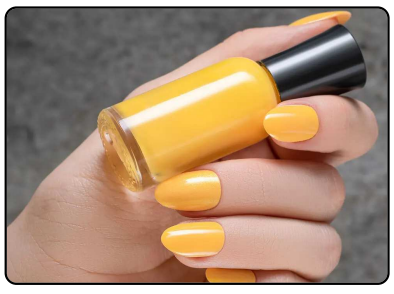

पृष्ठ 4
नेल पॉलिश को सुखाने में नहीं लगेगा अधिक समय, आजमाएं ये तरीके

पृष्ठ 5
ऋतिक की कृष 4 पर अभी शुरू नहीं होगा काम

- देहरादून
- वर्ष 31
- अंक 88
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
— जयशंकर प्रसाद

खड़गे का बयान असफलताओं की बौखलाहट का प्रतीकः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का जवाब देने के लिए हालांकि भाजपा के केंद्रीय नेताओं की एक पूरी फौज मैदान में उतरी हुई है और वह भी कांग्रेस और सोनिया गांधी पर एक से बढ़कर एक अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं लेकिन इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी ट्वीट के जरिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस को जवाब दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने ट्वीट में कहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान कांग्रेस की परिवारवाद और अहंकारी सोच को प्रदर्शित करता है उनका कहना है कि बार-बार की असफलताओं से कांग्रेस के अंदर जो बौखलाहट भर चुकी है यह उसी बौखलाहट का नतीजा है। उल्लेखनीय है कि खड़गे ने कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संज्ञा जहरीले सांप से की थी। उन्होंने कहा था कि अगर

●राजनीति में बढ़ती असहिष्णुता सोचनीय
●जहरीले बयानों पर नहीं लग रही लगाम

आप इसे चखेंगे तो मर जाएंगे।

हालांकि अपने इस बयान पर खड़गे द्वारा अब यह सफाई दी जा रही है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मोदी से या मोदी के बारे में कुछ नहीं कहा है उनका मतलब भाजपा की सोच से था कि भाजपा की सोच जहरीले सांप वाली है जिससे समाज को नुकसान पहुंच रहा है लेकिन अब कोई भी भाजपा नेता खड़गे की बात सुनने या मानने को तैयार नहीं है। भाजपा नेता रविशंकर से लेकर स्मृति ईरानी और अनुराग ठाकुर से लेकर भाजपा के तमाम प्रवक्ता और नेता कांग्रेस और खड़गे के खिलाफ बयान बाजी कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह कांग्रेस के परिवार और अहंकारी सोच को परिलक्षित करता है। भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के मौत के सौदागर वाले बयान की याद दिलाते हुए कहा जा रहा है कि यह कांग्रेस की पुरानी सोच है। भाजपा नेताओं का कहना है कि देश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। जिसकी बौखलाहट को कांग्रेसी नेता पचा नहीं पा रहे हैं। भारतीय राजनीति में भले ही खड़गे का यह बयान कुछ नया न सही इससे पूर्व आय दिन नेताओं द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह की अभद्र भाषा शैली और टिप्पणियां किए जाने का लंबा इतिहास है जिन्हें लेकर कोर्ट कचहरी में अनेक वाद भी दायर होते रहे हैं यह राजनीतिक असहिष्णुता का ही परिणाम है कि वह संवैधानिक मर्यादाओं को तोड़ने से भी नहीं हिचकते हैं।

उत्तराखण्ड के चार गैंगस्टरों ने किया यूपी में समर्पण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार/सहारनपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वह बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि माफियाओं को 'मिट्टी में मिला देगें', का असर अब यूपी सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। सहारनपुर के बिहारीगढ़ थाने में उत्तराखण्ड के चार गैंगस्टर अपराधियों ने पुलिस के सामने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। खास बात यह है कि यह सभी आरोपी तख्तियां लेकर थाने पहुंचे थे। जिसमें लिखा था कि मैं गैंगस्टर का अपराधी हू और अपराध से तौबा कर रहा हूं कि अब अपराध नहीं करूंगा। वहीं इस सम्बन्ध में जब हरिद्वार पुलिस से फोन पर बातचीत की गयी तो उन्हे यही नहीं पता था कि उनके यहां के गैंगस्टर बदमाशों द्वारा यूपी के बिहारीगढ़ थाने में समर्पण कर दिया गया है।

●सीएम योगी का 'माफियाओं को मिट्टी में मिला देगें' बयान का असर
●आरोपियों पर उत्तराखण्ड व उत्तर प्रदेश में है दर्जनों मुकदमें दर्ज

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

एससीओ देशों की आम चुनौती ही आतंकवाद हैः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली में शुरू हो गई है, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर रहे हैं। अपने उद्घाटन भाषण में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, कि उन्होंने एससीओ राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा, कि हमें एकजुट होकर आतंकवाद से लड़ना चाहिए। अगर एससीओ को मजबूत बनकर उभरना है, तो हमें एक साथ लड़ना होगा। आतंकी समूह सोशल मीडिया और क्राउडफंडिंग जैसे नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कि एससीओ देशों की आम चुनौती ही आतंकवाद है। आपको बता दें कि भारत इस साल एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है और इस वक्त एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक चल रही है, जिसमें बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, कि हमारे पास सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं। युगों से, हमारे बीच लोगों से लोगों का जुड़ाव रहा है और वस्तुओं और विचारों का क्षेत्र में आदान-प्रदान हुआ है, जिसके कारण हम आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विकसित हुए हैं। भारतीय रक्षा मंत्री ने आगे कहा, कि बदलते समय के साथ, हम उन संबंधों को मजबूत करने के लिए काम करेंगे, क्योंकि एससीओ एक मजबूत क्षेत्रीय संगठन के रूप में विकसित हुआ है।

नैनीताल हाई कोर्ट को मिले तीन नए जज

विशेष संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने आज नवनियुक्त तीन जजों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही अब उत्तराखंड के हाईकोर्ट में जजों की संख्या 5 से बढ़कर 8 हो गई है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय कानून मंत्रालय द्वारा दिल्ली सहित चार राज्यों के उच्च न्यायालयों में 11 न्यायिक अधिकारियों और दो अधिवक्ताओं को अतिरिक्त न्यायाधीश तथा न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। जिसमें से तीन न्यायधीश उत्तराखंड नैनीताल हाईकोर्ट में नियुक्त किए गए हैं। जिन् नए न्यायाधीशों को नैनीताल हाईकोर्ट में तैनाती मिली है उनमें वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश थपलियाल, अधिवक्ता पंकज

❑मुख्य न्यायधीश विपिन सांघी ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

पुरोहित और हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल विवेक भारती शर्मा शामिल है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने आज यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नवनियुक्त तीनों न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य न्यायधीश ने सभी 3 जजों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाने के बाद उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं व बधाई देते हुए कहा कि वह अपनी योग्यता व परिश्रम से न्याय व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। इस अवसर पर मौजूद अन्य अधिवक्ताओं और बार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तराखंड हाई कोर्ट को 3 नए जजों के मिलने से वादों के शीघ्र निस्तारण में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका पर काम का जो बोझ है उसे कम किया जाएगा तथा वादियों के लिए भी यह खबर इसलिए अच्छी है कि उनके वादों का निस्तारण कम समय में हो सकेगा। नवनियुक्त जज राकेश थपलियाल मूल रूप से पौड़ी श्रीकोट के निवासी हैं जबकि पंकज पुरोहित चमोली जिले के रहने वाले हैं, विवेक भारती शर्मा उत्तराखंड बैच 2005 के हायर जुडिशियल सर्विस के न्यायिक अधिकारी हैं। तथा वह भारत सरकार के स्टैंडिंग काउंसलर भी रह चुके हैं। आज शपथ ग्रहण के साथ ही सभी तीनों जजों ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। नैनीताल हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी सहित अब तक कुल 5 जज थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 8 हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मंडल-कमंडल आखिर कब तक

आजादी के 75 साल बाद भी देश की राजनीति जिस तरह से मंडल-कमंडल की राजनीति के कुचक्र में फंसी है उससे उबरने की संभावनाएं सौ-सौ कोस तक नजर नहीं आ रही है। धर्म और जाति की राजनीति का जो घेरा दिनोंदिन और मजबूत होता जा रहा है उसे अब न विपक्षी एकता के प्रयास तोड़ने में सक्षम दिख रहे हैं न धर्मनिरपेक्ष और सर्व धर्म समभाव की वह भावना भेदने में सफल होती दिख रही है जिसके दम पर कांग्रेस ने 5 दशक से भी अधिक समय तक राज किया। न बसपा-सपा और तृणमूल व जनता दल यूनाइटेड जैसे दल जिनका यूपी और बिहार में राजनीतिक दबदबा रहा है। 2024 के चुनाव से पूर्व जो जातीय गणना यानी पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक समीकरण का शगुफा अब हिंदुत्व का कुछ बिगाड़ पाएगा इसकी संभावनाएं समाप्त हो चुकी है। 1990 में मंडल से जो राजनीति को जो मिल सकता था वह मिल चुका है। मंडल वादियों को कमंडल से हिंदुत्ववादी जवाब दे चुके हैं। तब से लेकर अब तक हिंदुत्व की अवधारणा इतनी मजबूत हो चुकी है कि उसने उन तमाम जातियों को जो हिंदुओं में शुमार की जाती है एक छतरी के नीचे लाकर खड़ा कर दिया है यह अलग बात है कि इस पूरी प्रक्रिया ने देश के समाज को वैचारिक स्तर पर तथा भावनात्मक स्तर पर दो भागों में बांट दिया है और सामाजिक तकरार और टकराव की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया है। लेकिन विपक्ष के पास भाजपा और संघ को जवाब देने लायक कुछ नहीं है। यही कारण है कि राहुल गांधी जैसे नेता अपनी कटु बयानबाजी के कारण आज मानहानि के मुकदमे झेलने के साथ-साथ कांग्रेस जैसी पार्टियां अपना राजनीतिक वजूद खोती जा रही है विपक्ष के लोग विपक्षी एकता का जो राग अलाप रहे हैं उस साझे की हांडी में इनकी खिचड़ी अव्वल तो पकना ही संभव नहीं दिख रहा है और पक भी गई तो इसे वह 5 साल तक खा और पंचा सकेंगे वह भी संभव नहीं दिख रहा है। जिस तीसरे मोर्चे की कवायद इन दिनों जारी है उसमें सर्वग्राहता का सर्वथा अभाव है किसका नेतृत्व और किसकी कितनी भागीदारी यह दो मुद्दे ऐसे हैं जिन पर आम सहमति संभव नहीं है। किसी को किसी का साथ गवारा नहीं है तो किसी को किसी का नेतृत्व बर्दाश्त नहीं है। तीसरे मोर्चे में अपने उज्जवल भविष्य का सपना देख रहे नेताओं की भागदौड़ और मेल मुलाकातों का दौर लंबे समय से जारी है। वह चाहे ममता बनर्जी हो या फिर अखिलेश यादव अथवा नीतीश कुमार उनके यह प्रयास किस मुकाम तक पहुंच पाते हैं आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जिस रणनीति पर भाजपा और उसके अनुषंगिक दल आगे बढ़ रहे हैं उसके सामने अब आम जनहित से जुड़े मुद्दे और समस्याओं को पीछे धकेल दिया गया है। अब न कोई महंगाई व गरीबी तथा बेरोजगारी की बात पर चर्चा करने को तैयार है न ही इन मुद्दों को कोई सुनना चाहता है काला धन और पीला धन (भ्रष्टाचार) जैसी बातें भी पुरानी हो चुकी हैं। देश की वर्तमान राजनीतिक दिशा व दशा भले ही किसी दल या नेता के लिए मुफीद रहे लेकिन देश और देश के समाज हित में कतई नहीं है।

स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी का 'चारधाम साथी' मोबाइल एप लांच

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। राज्यपाल लेफ्रिटनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को राजभवन से स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के 'चारधाम साथी' मोबाइल एप्लीकेशन को लांच किया। इस मोबाइल एप का उद्देश्य चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को स्वास्थ्य जरूरतों की जानकारी उपलब्ध कराना है। विवेकानंद हेल्थ मिशन द्वारा चारधाम यात्रा स्थानों में यह सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध करायी जायेगी। यह मोबाइल एप प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी की सेवा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम में आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य सुविधा हेतु यह मोबाइल एप बेहद उपयोगी साबित होगा। अभी तक हेल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा लाखों मरीजों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं जो अपने आप में प्रशंसनीय हैस्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के सचिव डॉ- अनुज सिंघल ने बताया कि चारधामों में तीर्थ यात्रियों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के अपने संकल्प को पूर्ण करते हुए श्री बद्रीनाथ धाम, श्री केदारनाथ धाम व गंगोत्री धाम में आईसीयू युक्त चिकित्सालय का संचालन कर रहे हैं। इनमें लैब की सुविधा, डिजिटल एक्स-रे सुविधाएं एवं फार्मेसी इत्यादि की सुविधाएं पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि श्री केदारनाथ धाम में 50 बेड के अस्पताल की कार्यवाही गतिमान है।

इस अवसर पर हेल्थ मिशन सोसाइटी के निदेशक ले.क.(डॉ.) प्रवीन कुमार रेड्डी, डॉ. तारा सिंघल, डॉ. संजय शाह उपस्थित रहे।

अभी तक विदेशी पर्यटक नहीं पहुचे केदारनाथ धाम

संवाददाता

देहरादून। श्री केदारनाथ धाम के श्रद्धालुओं के लिए खोले जाने के दो दिन बाद तक विदेश पर्यटक नहीं पहुंचे है वहीं अभी तक 44 हजार 892 यात्री केदारनाथ धाम पहुंचे हैं। श्री केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाने वहां पर बर्फबारी के बीच हजारों पर्यटक धाम पर पहुंच रहे हैं। 27 अप्रैल की सांय आठ बजे तक श्री केदारनाथ में दर्शनार्थियों में पुरूष श्रद्धालु 8070, महिला 4799 वही बच्चों की संख्या 196 गत दिवस पहुंचने वालों की संख्या 13065 हुई। वहीं कपाट खुलने से अभी तक यात्रियों की संख्या 44 हजार 892 हो गयी है। जिसमें से अभी तक कोई विदेश यात्री केदारनाथ धाम नहीं पहुंचा है।

बद्रीनाथ धाम में स्वच्छता के लिए आगे आए आईटीबीपी के जवान

संवाददाता

चमोली। श्री बद्रीनाथ धाम में आईटीबीपी के जवानों ने स्वच्छता अभियान शुरू करते हुए पहाडी व जलस्रोतों के आसपास सफाई शुरू की। आज यहां उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा के आरम्भ के साथ ही आईटीबीपी द्वारा श्री बद्रीनाथ धाम एवं इसके आस-पास स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। आईटीबीपी के जवानों द्वारा बद्रीनाथ मंदिर के निकट पहाड़ियों व जलस्रोतों को स्वच्छ रखने हेतु अभियान चलाया गया है। श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर आईटीबीपी के जवानों द्वारा श्री बद्रीनाथ मंदिर के निकट दुर्गम पहाड़ी पर रैपलिंग करते हुए यात्रियों द्वारा फेंके गए कूड़े को हटाया गया। आईटीबीपी द्वारा यह अभियान निरन्तर जारी रहेगा। प्रशासन ने भी आईटीबीपी के जवानों के इस स्वच्छता अभियान की प्रंशसा की। इससे चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय लोगों को धामों व चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने की प्रेरणा मिलेगी। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी आईटीबीपी के जवानों को श्री बद्रीनाथ धाम में स्वच्छता अभियान संचालित करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

नाबालिक के अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मामला लक्सर कोतवाली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भोगपुर लक्सर निवासी एक व्यक्ति ने लक्सर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि बन्टी पुत्र मदन सिंह निवासी ग्राम भोगपुर द्वारा उनकी नाबालिक पुत्री को बहला फुसला कर अपहरण कर लिया गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। अपहृता किशोरी की बरामदगी हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित की गई पुलिस टीम 26 अप्रैल को सूचना मिली कि उक्त मामले का आरोपी श्यामपुर क्षेत्र में मौजूद है। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर बन्टी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से किशोरी को बरामद कर लिया गया है। पीडिता के बयानों के आधार पर उक्त मुकदमे में पोक्सो एक्ट व धारा-376 भादवि की बढोत्तरी की गयी है।

प्रत्नं होतारमीड्यं जुष्टमग्निं कविक्रतुम्।
अध्वराणामभिश्रियम्।

(ऋग्वेद ८-४४-७)

मैं उस परमेश्वर की वंदना करता हूं जिसको अग्नि कहते हैं। वह जो सदा से है। जो शक्ति के पुंज हैं। जो सारे शुभ कर्मो को शोभा प्रदान करते हैं।

I worship that God, who is called Agni. The one who is forever He is the light of power, who beautifies all auspicious deeds. (Rig Ved 8-44-7)

मुनस्यारी: महिलाओं को वितरित किए मुर्गी के चूजे

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की पहल के बाद विकास खंड मुनस्यारी के तीन ग्राम पंचायतों को मुर्गी पालन विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिपंस जगत मर्तोलिया ने मुहिम शुरू की है कि एक ग्राम पंचायत एक उत्पाद तथा एक न्याय पंचायत एक उत्पाद पर धरातल पर कार्य कर मुनस्यारी को नया आयाम दिया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी के सहयोग से एसबीआई आरईसीटी पिथौरागढ़ द्वारा ग्राम पंचायत मल्ला घोरपट्टा, तल्ला घोरपट्टा तथा तल्ला दुम्मर में महिला स्वयं सहायता समूहों तथा उनके परिजनों सहित कुल 59 लोगों को दस दिवसीय मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पशुपालन विभाग पिथौरागढ़ द्वारा आज तीनों ग्राम पंचायतों के 38 लोगों को मुर्गी के चूजे, दाना, जाली अन्य सामान दिया गया। पशुचिकित्साधिकारी डां स्वाति अग्रवाल ने इसकी शुरुआत करते हुए मुर्गी पालकों को तकनीकी जानकारी भी दी। इस पहल से मुर्गी पालकों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने थैंक्यू प्रशासन तथा जिपंस कहा।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि पशुपालन विभाग इन तीनों ग्राम पंचायतों को लगातार अपनी निगरानी में रखकर मुर्गी पालन विलेज को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने जिला अधिकारी रीना जोशी, मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी सहित पशुपालन विभाग, एसबीआई आरईसीटी पिथौरागढ़ का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पंकज सिंह बृजवाल, कृष्णा सिंह सयाना, मनोज मर्तोलिया, ग्राम संगठन की अध्यक्ष दीपा, कमला, पुष्पा आदि मौजूद रहे।

डाक्टर से अपाइमेंट के नाम पर ठगे 88 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। मैक्स हास्पिटल में डाक्टर से अपाईमेंट के नाम पर 88 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाण्डा लखौण्ड निवासी सरिता सिंह ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 12 अप्रैल को उसने गूगल से नम्बर निकालकर मैक्स हास्पिटल देहरादून मे डा0 योगेश यादव से अपाइमेंट लेने के लिये एक काँल की थी। इस काँल को एक नम्बर पर फारवर्ड किया गया और उसको 13 अप्रैल 2023 को समय साढे ग्यारह बजे का अप्वाइमेंट दिया गया। उसके द्वारा डाँक्टर की फीस को ऑनलाईन ट्रासफर करने का प्रोसिजर पूछा गया तो उसको उसने जी-पे के एकाउंट को खोलने के निर्देश दिया गया। फिर प्ले स्टोर से एक एप डाउंनलोड करायी और 101 रूपये का ट्रांजेक्शन कराया गया। उसके अपाईमेंट की पुष्टि की गई। कॉल खत्म होने के बाद जिस नंबर से उसकी बात हो रही थी वह 60 कोरियर सर्विस के नाम से उसको दिखाई दी। उसकी रात्रि में उसके खाते से 88 हजार रूपये निकल गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साईबर ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लक्ष्मण सिद्ध मन्दिर की ओर जाने वाले रास्ते पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 11 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित मलिक पुत्र प्रहलाद मलिक निवासी केशवपुरी बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मूर्ख और अक्लमंद में कौन बड़ा

पीयूष पांडे

मूर्ख और अक्लमंद में कौन बड़ा है इस सवाल का जवाब देने के लिए ज्यादा अक्ल की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जवाब है मूर्ख बड़ा है। ऐसा नहीं होता तो पूरी दुनिया में मूर्ख दिवस नहीं मनाया जाता। आप स्वयं सोचिए कि आखिर अक्लमंदों की अक्लमंदी को मान्यता देने के लिए कोई दिवस क्यों नहीं है क्या अक्लमंद नहीं चाहते कि उन्हें भी सम्मानित किया जाए निश्चित रूप से चाहते होंगे लेकिन मूर्खों के सामने कौन टिका है भला मूर्खों के विषय में आदिकाल से इतना कुछ लिखा जा चुका है कि कोई भी सो कॉल्ड अक्लमंद उनके विषय में नया कुछ नहीं लिख सकता।

कहते हैं मूर्खता कर्म की थ्योरी को खारिज करती है। आप कितना भी कर्म कर लें लेकिन मूर्खत्व को प्राप्त नहीं कर सकते। आप मेहनत करके मूर्ख नहीं बन सकते। मूर्खता नैसर्गिक होती है। मूर्खता पूजा-अर्चना, ध्यान वगैरह से भी नहीं पाई जा सकती। लेकिन, कोरोना काल में मुझे मूर्खों के विषय में प्रतिपादित यह आदिकालीन सिद्धांत कुछ हद तक गलत दिख रहा है। जिस तरह जंगल में बंदर एक डाली से दूसरी डाली पर उछलते हैं, वैसे ही देश में हजारों लोग कोरोना के संदिग्ध होते हुए भी जानते बूझते इधर से उधर उछल रहे हैं। कई संक्रमित पहली ही बार में मूर्खता का 'नोवेल' अवॉर्ड झटकने के चक्कर में क्वारंटाइन की मुहर मिटाकर भाग रहे हैं। पारंपरिक मूर्ख भी जान संकट में होने पर चुपचाप घर में दुबक जाते हैं लेकिन ये मूर्ख इलाज कराने के बजाय 'जॉम्बीज' बनना पसंद कर रहे हैं।

कोरोना वायरस भी ऐसे मूर्खों को देखकर कई बार सोचता होगा-'गुरु कैसे मूर्खों के पास आ गया हूं, जिन्हें अपनी जान की चिंता तो नहीं ही है, अपने परिवार-दोस्तों और आसपास के लोगों की भी चिंता नहीं है।' कोरोना काल में ही मूर्खों की एक और कैटेगरी दिखाई दी, जो व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से मिले ज्ञान को बिना सोचे समझे खुद पर आजमाते दिखाई दिए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर निकाली स्वच्छता जागरूक रैली

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने वाले यात्रियों को साफ स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य ये यात्रा मार्ग पर स्वच्छतजा जागरूक रैली का आयोजन किया गया।

आज यहां श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों को साफ-स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में केदारनाथ यात्रा मार्ग में स्वच्छता जागरुकता रैली का आयोजन किया जा रहा है जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, होटल व्यवसायियों एवं आने वाले तीर्थ यात्रियों को बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरुक किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वच्छता अखिलेश मिश्रा ने अवगत कराया है कि केदारनाथ यात्रा को स्वच्छ और सुगम बनाने की मुहिम के अंतर्गत अंतर्गत रामपुर से सीतापुर पार्किंग तक अभियान चलाया गया। इस अवसर पर रामपुर पंचवटी होटल से सीतापुर पार्किंग तक जागरुकता रैली निकाली गई और यात्रा मार्ग पर गिरे पड़े कूड़े कचरे का एकत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जिला पंचायत के कार्मिक नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवक, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं विद्यालय के छात्रों तथा महिला संगठनों के लोगों ने भाग लिया। रैली कर्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा यात्रियों से यात्रा में पॉलिथिन का प्रयोग न करने तथा कूड़ा कूड़ेदानों में ही डालने की अपील भी की गई। सीतापुर पार्किंग में समापन के अवसर पर उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। आयोजित कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रमोद सिंह, प्रकाश रावत, विद्यालय के प्रधानाचार्य जगजीत सिंह रमोला, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी राहुल डबराल, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे अभिलाषा पंवार, आनंद बंसल, अभियंता जिला पंचायत सुनील कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक राजेंद्र कुमार, विजय वशिष्ठ, मयंक रावत आदि उपस्थित रहे।

धर्मपाल बने राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने धर्मपाल घाघट को मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया।

यहां राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल घाघट को मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया है। धर्मपाल के अनुभव को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यह महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मकवाना ने कहा कि धर्मपाल कई वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय रहे हैं और विश्वास जताया कि वह संगठन की मजबूती एवं विस्तार में अपेक्षित कार्य करेंगे। मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण चौहान, कार्यवाहक उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राकेश तिनका, प्रदेश प्रमुख महामंत्री मदन बाल्मीकि,प्रदेश मीडिया प्रभारी विनोद घाघट, प्रदेश महामंत्री राजीव राजौरी एवं हरिचंद ने धर्मपाल घाघट को बधाई दी।

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपी भाजपा सांसद का पुतला फूंका

संवाददाता

देहरादून। जनवादी संगठनों ने प्रदर्शन कर महिला पहलवानों का यौन शोषण करने वाले डब्लूएफआई के अध्यक्ष व सांसद ब्रिजभूषण सिंह का पुतला फूंका।

आज जनवादी संगठन एसएफआई, सीआईटीयू, एआईकेए, एआईडीडब्लूए ने महिला पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाई। जिन्हें बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लूएफआई) के अध्यक्ष ब्रिजभूषण सिंह द्वारा यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। भारत के शीर्ष पहलवानो ने ब्रिज भूषण सिंह के गलत व्यवहार और उनके नेतृत्व में पहलवानों के साथ द्वन्द्व और मानसिक शोषण के खिलाफ विरोध करते हुए प्रदर्शन किया है। हाल ही में, पहलवानो ने सरकार के इस मामले पर कार्रवाई न करने की आपराधिक गैरहाजिरी की विरोध करते हुए भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लूएफआई)के अध्यक्ष ब्रिज भूषण सिंह का पुतला न्यू इन्द्रमार्केट के गेट पर पुतला जलाया गया। सीटू जिला सचिव लेखराज ने बताया की हम साहसिक पहलवानों के पूर्ण समर्थन करते है जो एक शक्तिशाली और प्रभावशाली यौन उत्पीड़क के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में एसएफआई, सीआईटीयू, एआईकेएस, एआईडीडब्लूए की एक टीम ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से मिलकर समर्थन प्रदान किया है। उन्होंने बताया की हम केंद्र सरकार की इस मुद्दे पर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं और ब्रिज भूषण सिंह के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हैं।

एसएफआई उत्तराखंड राज्य सचिव हिमांशु चौहान ने बताया की सेक्सुअल उत्पीड़न और पहलवानों के द्वारा उनके साथ बर्ताव की गंभीर आरोपों के कारण व सरकार द्वारा कोई भी ठोस कार्यवाही नही की गई तो एस फ्फ आई छात्रों को लामबंद कर अनेको संगठनों के साथ प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर एसएफआई प्रदेश अध्यक्ष नितिन मलेठा, डी ए वी छात्रसंघ उपाध्यक्ष सोनाली नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र परमार, सीटू के राम सिंह भंडारी ,रविन्द्र नोडियल,बी एस पयाल,विनोद, नरेन्द्र पूर्व डी ए वी छात्रसंघ उपाध्यक्ष अभिषेक भंडारी , बरिष्ठ पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता त्रिलोचन भट्ट, जनवादी महिला समिति से अंजली पुरोहित, अनीता,मधु आदि लोग मौजूद रहे।

चुनाव आयोग कब तक इंतजार करेगा?

यह लाख टके का सवाल है कि चुनाव आयोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वायनाड सीट पर उपचुनाव की घोषणा करने के लिए कब तक इंतजार करेगा? राहुल गांधी को 23 मार्च को सूरत की एक अदालत ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराया था और दो साल की सजा सुनाई थी। उसके अगले दिन 24 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर दी और वायनाड सीट खाली घोषित कर दी थी। इस तरह वायनाड सीट खाली हुए एक महीने हो गए।

लोकसभा सचिवालय की ओर से राहुल गांधी की लोकसभा सीट खाली घोषित किए जाने के पांच दिन बाद 29 मार्च को चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव की घोषणा की थी। उस दिन प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से वायनाड सीट के उपचुनाव के बारे में पूछा गया था तब उन्होंने कहा था कि आयोग इस बारे में फैसला करने से पहल इंतजार करेगा। उन्होंने कहा था कि अभी छह महीने का समय है। सो, अब सवाल है कि चुनाव आयोग वायनाड सीट पर उपचुनाव की घोषणा करने के लिए कितना और इंतजार करेगा?

यह सही है कि कोई भी लोकसभा या विधानसभा सीट खाली होने के बाद छह महीने तक चुनाव कराने का समय होता है। लेकिन जब आयोग किसी राज्य का चुनाव कराने की घोषणा करे तो उस समय खाली सभी सीटों पर उपचुनाव भी होते हैं। जैसे कर्नाटक के साथ जालंधर लोकसभा और चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव हो रहे हैं। तभी यह उम्मीद की जा रही थी कि वायनाड सीट खाली हो गई है तो वहां भी चुनाव हो सकता है। आखिर लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल की सीट खाली होने के साथ ही आयोग ने चुनाव की घोषणा कर दी थी। सवाल है कि उस मामले में अदालत से लगे झटके की वजह से आयोग वायनाड सीट पर चुनाव नहीं घोषित कर रहा है? क्या राहुल के मामले में भी आयोग को पता है कि सजा पर रोक लग जाएगी और चुनाव कराने की नौबत नहीं आएगी?

असल में यहां तू डाल-डाल, मैं पात-पात का खेल चल रहा है। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त किए जाने को एक मौका मान रही है और इसका राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। इसलिए वह बेहद सुस्त चाल से कानूनी उपाय आजमा रही है। पहले तो सीजेएम की अदालत के फैसले के बाद 1० दिन तक कांग्रेस ने अपील नहीं की। उसके बाद अपील की तो हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट की बजाय जिला अदालत में की। वहां से राहुल की अपील खारिज होने के बाद भी पार्टी ने ऊपरी अदालत में अपील करने की जल्दबाजी नहीं दिखाई। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस कम से कम कर्नाटक चुनाव तक इसका इस्तेमाल कर रही है। उस समय तक चुनाव आयोग भी इंतजार करेगा। आयोग के जानकार सूत्रों का कहना है कि हाई कोर्ट से राहुल को राहत मिल जाएगी और उपचुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। (आरएनएस)

नैतिक महत्त्व का फैसला?

आज हकीकत यह है कि डब्लूटीओ की परवाह कोई देश नहीं कर रहा है। जब खुद अमेरिका और यूरोपीय संघ ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर व्यापार प्रतिबंध और व्यापार युद्ध की नीति अपना ली है, तो फिर इस संस्था का क्या रुतबा बचता है?

विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) ने भारत के खिलाफ फैसला दिया है। यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान की एक याचिका पर ये फैसला आया। अगर यह भूमंडलीकरण के पलटने का दौर नहीं होता, तो बेशक इस निर्णय को भारत के लिए एक तगड़ा झटका माना जाता। लेकिन आज हकीकत यह है कि डब्लूटीओ की परवाह कोई देश नहीं कर रहा है। जब खुद अमेरिका और यूरोपीय संघ ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर व्यापार प्रतिबंध और व्यापार युद्ध की नीति अपना ली है, तो फिर इस संस्था का क्या रुतबा बचता है? यह भी गौरतलब है कि अमेरिका ने डब्लूटीओ में जजों की नियुक्ति रोक रखी है। इसलिए बहुत सारे मामलों की सुनवाई वहां पूरी नहीं हो पा रही है। ऐसे में ताजा फैसले से भारत के लिए कोई चिंता पैदा होगी, इसकी संभावना नहीं है। बहरहाल, आईटी उत्पादों के आयात पर कर लगाने के मामले में डब्लूटीओ ने भारत के खिलाफ फैसला दिया। संगठन की एक समिति ने पाया कि भारत ने नियमों को उल्लंघन किया है। यह मामला 2०19 का है, जब यूरोपीय संघ ने भारत की आईटी उत्पादों पर 7.5 प्रतिशत से 2० प्रतिशत तक का आयात कर लगाने के फैसले को चुनौती दी थी। भारत ने मोबाइल फोन, उनके उपकरणों और इंटिग्रेटेड सर्किट जैसे उत्पादों पर ये कर लगाए थे। यूरोपीय संघ का कहना था कि ये कर अधिकतम तय सीमा से ज्यादा हैं। जापान और ताइवान ने भी उसी साल इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। यूरोपीय संघ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है। यूरोपीय आयोग के मुताबिक 2०21 में दोनों पक्षों के बीच जितना व्यापार हुआ, वह भारत के कुल व्यापार का 1०.8 फीसदी था। यूरोपीय संघ की शिकायत के मुताबिक 2०14 से ही भारत ने मोबाइल फोन, उनके उपकरणों और एक्सेसरी, लाइन टेलीफोन, कन्वर्टर और केबल जैसे उत्पादों पर 2० फीसदी तक के आयात कर लगाए थे। यह डब्लूटीओ की सीमा से ज्यादा है। यूरोपीय संघ का कहना है कि भारत के करों के कारण उसके निर्यात को 6० करोड़ यूरो तक का नुकसान सालाना हो रहा है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

नेल पॉलिश को सुखाने में नहीं लगेगा अधिक समय, आजमाएं ये तरीके

यदि आप अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना पसंद करती हैं, लेकिन इसके सूखने का इंतजार करना परेशानी का कारण बनता है। वैसे तो इसके लिए आजकल बाजार में मेल पॉलिश ड्रायर जैसे उपकरण मौजूद हैं, लेकिन अगर आप इनमें निवेश नहीं करना चाहती हैं तो घर पर ही कुछ घरेलू नुस्खे या ट्रिक्स आजमा सकती हैं। आइए आज हम आपको नेल पॉलिश को जल्दी सुखाने के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने से पहले एक कटोरे में ठंडा पानी भर लें और उसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डालकर एक तरफ रख दें। अब नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने के बाद हाथों को ठंडे पानी में 2-3 मिनट तक डुबोकर रखें। जब आप अपने हाथों को कटोरे से निकालेंगे तो आप देखेंगे कि आपके नाखूनों की सतह पर पानी बह रहा है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि नेल पॉलिश पूरी तरह से सूख चुकी है।

ब्लो ड्रायर आएगा काम

सबसे पहले अपने हेयर ड्रायर को कूल-सेटिंग पर सेट करें। इसके बाद एक बार जब आप अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगा लें तो ड्रायर को अपने नाखूनों के चारों ओर 2 से 3 मिनट के लिए गोलाकार गति में घुमाएं। बहुत अधिक बल का प्रयोग न करें या इसे अपने नाखूनों के बहुत करीब न पकड़ें क्योंकि इससे नेल पॉलिश खराब हो सकती है। हर महिला के पास ये नेल पॉलिश शेड्स का जरूर चयन करना चाहिए।

कुकिंग ऑयल या हेयरस्प्रे भी है प्रभावी

कुकिंग ऑयल का एक छिड़काव नेल पॉलिश सुखाने के समय में कटौती करने का एक शानदार तरीका है। लाभ के लिए अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाएं और 2-3 मिनट रूककर इस पर कुकिंग ऑयल छिड़कें। कुछ मिनट प्रतीक्षा करें और अपने हाथों को ठंडे पानी से धो लें। वैकल्पिक रूप से, आप हेयरस्प्रे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। घर पर इन 5 तरीकों से हेयरस्प्रे बनाएं।

ड्राय स्प्रे और ड्रॉपर है कारगर

यह भी नेल पॉलिश सुखाने का आसान तरीका है। नेल पॉलिश सुखाने वाले स्प्रे या बूंदों का उपयोग न केवल नेल पॉलिश को तेजी से सुखाने में मदद करते हैं बल्कि आपके नाखूनों को सुपर शाइनी भी बनाते हैं। ये उत्पाद आपके क्यूटिकल्स के आसपास की त्वचा को पोषण देने और कंडीशन भी करते हैं। स्वस्थ नाखूनों के लिए हॉट ऑयल मैनीक्योर का चयन करें।

नेल पॉलिश का एक कोट लगाएं

आप अपने नाखूनों पर जितने ज्यादा नेल पॉलिश का कोट लगाएंगे, इसे सुखाना उतना ही मुश्किल होगा। मोटी परतों के विपरीत अगर नेल पॉलिश का एक कोट लगाया जाए तो यह जल्दी सूख जाता है। हालांकि, इससे आपको नेल पॉलिश की सही फिनिशिंग नहीं मिल पाएगी, इसलिए नेल पॉलिश के 2-3 कोट लगाने के बाद इन पर ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश लगाना सही रहेगा।

शब्द सामर्थ्य -100

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

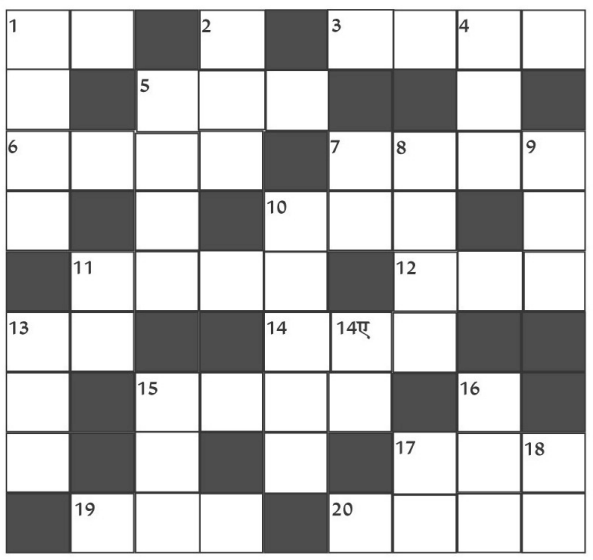

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

आलिया भट्ट मेट गाला में करने जा रहीं डेब्यू

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट धीमे-धीमे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म इस साल रिलीज होने वाली है। बीते दिनों फिल्म आरआरआर की सीता के रूप में दुनियाभर के लोगों ने उनका अभिनय देखा। अब वह जल्द ही दुनिया के प्रतिष्ठित फैशन इवेंट मेट गाला में भी अपने डेब्यू करने जा रही हैं। इस साल मेट गाला के रेड कार्पेट पर उनकी मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है।

मेट गाला 2023 के रेड कार्पेट पर आलिया अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस मौके पर वह जाने-माने फैशन डिजाइनर प्रबल गुरुंग का आउटफिट पहनेंगी। उनके आउटफिट की जानकारी फिलहाल उजागर नहीं की गई है। आलिया पहले भी कई मौकों पर प्रबल की तैयार की हुई ड्रेस पहन चुकी हैं। प्रबल हॉलीवुड सेलिब्रिटी के भी खास आउटफिट तैयार कर चुके हैं। मेट गाला रेड में पहली उपस्थिति के दौरान आलिया के आउटफिट पर प्रशंसकों की भी खास नजरें हैं।

कम ही भारतीय हस्तियां मेट गाला में नजर आई हैं। आलिया से पहले प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण मेट गाला में डेब्यू कर चुकी हैं। वे बीते कुछ सालों से यहां नजर आ रही हैं। मेट गाला 2023, 1 मई को आयोजित होने जा रहा है। यह दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक फैशन इवेंट है। यह कार्यक्रम अपने नए और रोचक परिधानों और फैशन चॉइस के लिए जाना जाता है। हर साल यहां सितारों के कॉस्ट्यूम खूब सुर्खियां बटोरते हैं। आलिया जल्द ही हॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन 11 अगस्त को रिलीज होगी। यह एक ऐक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें उनके साथ हॉलीवुड अभिनेत्री गैल गैडोट और अभिनेता जैमी डोर्नन दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन टॉम हार्पर कर रहे हैं। इसका प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा। फिल्म से आलिया का पहला लुक जारी हो चुका है। वह इस फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। आलिया के बॉलीवुड प्रोजेक्ट की बात करें तो पिछली साल आई गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद अब वह फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन करण जौहर कर रहे हैं। इसमें आलिया के साथ रणवीर सिंह नजर आएंगे। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होगी। आलिया संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म में भी वह रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी।

सिटाडेल के हिंदी संस्करण से जुड़े सिकंदर खेर, वरुण धवन और सामंथा संग आएंगे नजर

अमेरिकी टीवी सीरीज सिटाडेल के हिंदी रीमेक में समांथा रुथ प्रभु और वरुण धवन के साथ एक्टर सिकंदर खेर स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। निर्माता धीरे-धीरे हिंदी रीमेक के लिए अन्य कलाकारों को अंतिम रूप दे रहे हैं और सिकंदर खेर को टीम में शामिल किया है। यह शो हिट फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके द्वारा निर्देशित किया जा रहा है।

प्रोडक्शन टीम के एक करीबी सूत्र का कहना है: सिकंदर खेर सिटाडेल के हिंदी वर्जन के कलाकारों में शामिल किए गए हैं। उन्होंने मुंबई में हुए अमेरिकी वर्जन के भारत प्रीमियर में भी भाग लिया।

सिटाडेल सीजन के सबसे बड़े शो में से एक होने का अनुमान है। यह पहली बार होगा जब सिकंदर राज और डीके एक साथ काम करेंगे।

हिंदी वर्जन में वरुण प्रमुख भूमिका में होंगे। शो में समांथा भी वो भूमिका निभाएंगी, जो मूल रूप से प्रियंका चोपड़ा द्वारा निभाई गई है।

वह अपने हिस्से की शूटिंग जल्द करेंगे। यह पहली बार होगा जब सिकंदर राज और डीके के साथ काम करेंगे। सिटाडेल की भारतीय किस्त सीता आर मेनन द्वारा राज एंड डीके के साथ लिखी गई है, जबकि इसका निर्देशन राज और डीके कर रहे हैं।

वो तो है अलबेला में अपने किरदार को लेकर बोलीं प्रियंवदा, आम नहीं खलनायक का किरदार

प्रियंवदा कांत, जो वर्तमान में शो वो तो है अलबेला में चमन बहार की भूमिका निभा रही हैं, ने अपने किरदार के बारे में बताया कि कैसे चमन बहार का किरदार अन्य सभी खलनायकों के किरदारों से अलग है। उन्होंने कहा चमन बहार आपके रोजमर्रा जैसे दिखने वाली लोगों की तरह नहीं है।

वह बेहद चालाक और शातिर है। चेहरे से खुशमिजाज दिखनी वाली ये लड़की, मन में खतरनाक इरादे रखती है। प्रियंवदा को बैरी पिया, ससुराल सिमर का, सबकी लाडली बेबो, द बडी प्रोजेक्ट, तेनाली रामा, स्प्लिट्सविला 12, तेरा मेरा साथ रहे और कई अन्य में भी देखा गया था।

उन्होंने आगे कहा, चमन बहार की भूमिका निभाना मेरी सबसे अच्छी पसंदों में से एक रहा है, क्योंकि वह सामान्य विलेन नहीं है। मुझे अपने फैंस और दोस्तों से बहुत सारी प्रतिक्रिया मिली है, जो मुझे बताते हैं कि वे मुझे चमन बहार के रूप में देखना कितना पसंद करते हैं।

इस भूमिका को निभाना आनंददायक है, लेकिन यह मुश्किल भी है। वो तो है अलबेला स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

ऋतिक की कृष 4 पर अभी शुरू नहीं होगा काम

ऋतिक रोशन अपनी फिल्म कृष 4 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। भारत के सबसे सफल सुपरहीरो की इस फ्रेंचाइजी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और वह फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 2020 से चौथी किस्त बनने की खबरें सामने आ रही हैं और अब निर्देशक राकेश रोशन ने कृष 4 से जुड़ा अपडेट साझा किया है। उन्होंने बताया है कि इसमें समय लगेगा और 2024 के अंत से पहले काम शुरू नहीं होगा।

राकेश ने हाल ही में स्पष्ट किया कि फिल्म अगले साल के अंत से पहले शुरू नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और उसके बाद ही प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा। उनका कहना है कि वह फिल्म बनाते समय अपना समय लेना पसंद करते हैं और कृष 4 को पूरा करने की उन्हें कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले आई तीनों फिल्मों में भी कई साल का अंतर था।

कृष 4 के बारे में बात करते हुए राकेश ने बताया कि इसमें इस्तेमाल हो रहे कॉन्सेप्ट को शायद ही पहले कभी अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में आजमाया गया हो, भारत में तो दूर की बात है। उन्होंने इससे पहले इस तरह की कहानी का प्रयास नहीं किया है, जहां उनके पास कोई संदर्भ बिंदु नहीं है और इसलिए इसमें समय लग रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक पिता-पुत्र के बीच भावनात्मक कहानी भी देखने को मिलेगी। कुछ समय पहले खबर आ रही थी कि कृष 4 का निर्देशन करने के लिए एक हॉलीवुड निर्देशक की तलाश की जा रही है। हालांकि, कुछ समय बाद ही राकेश ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा था कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा था कि इस बार ऋतिक सुपरहीरो और सुपर विलेन दोनों की भूमिका में नजर आ सकते हैं, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कृष 2006 में आई थी, जिसमें ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा थीं और वह तीनों भागों में नजर आई हैं। 2011 में फिल्म का दूसरा भाग और 2013 में तीसरा भाग आया था, जिसमें विवेक ओबेरॉय और कंगना रनौत भी मुख्य भूमिका में थे।

ऋतिक इन दिनों सिद्धार्थ आनंद की फाइटर की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म में वह पहली बार दीपिका पादुकोण के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म जनवरी 2024 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा वह अयान मुखर्जी की वॉर 2 का भी हिस्सा हैं, जिसमें कथित तौर पर जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। आखिरी बार अभिनेता विक्रम वेधा में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई थी।

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई राधिका मदान की फिल्म सना

राधिका मदान की फिल्म सना को 11 से 14 मई तक होने वाले 23वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। इस फिल्म में सोहम शाह, शिखा तलसानिया और पूजा भट्ट हैं। यह उत्तरी अमेरिका का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव है, जिसमें भारत और प्रवासी भारतीयों के सिनेमा को दिखाया जाता है। त्योहार वैश्विक भारतीय समुदाय से सिनेमा का जश्न मनाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म राधिका मदान द्वारा अभिनीत एक 28 वर्षीय महिला की कहानी है, जो अनसुलझे आघात के कारण आंतरिक लड़ाई लड़ रही है।

निर्देशक सुधांशु सरिया ने कहा-न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रतियोगिता के लिए सना का चयन करना एक बड़ा सम्मान है। यह फेस्टिवल भारतीय डायस्पोरा से स्वतंत्र सिनेमा का एक पुराना चैंपियन रहा है, और हम इसे लेकर रोमांचित हैं। हमारी फिल्म इस तरह के विविध और सम्मोहक कार्यों के साथ प्रदर्शित हुई। मैं उत्सव में भाग लेने और साथी फिल्म निमार्ताओं और दर्शकों के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूं।

इससे पहले फिल्म को 26वें तेलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल और 38वें सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। यह ओपनिंग फिल्म के रूप में 25वें यूके एशिया फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए भी तैयार है, जो 4 मई से 13 मई, 2023 तक होने वाली है।

नाना पाटेकर स्ट्रीमिंग स्पेस में ज्यादा भीड़ देख ओटीटी शुरू करने को तैयार

अभिनेता नाना पाटेकर प्रकाश झा द्वारा निर्देशित एक राजनीतिक थ्रिलर लाल बत्ती नामक आगामी श्रृंखला के साथ ओटीटी पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। जियो स्टूडियोज के कंटेंट स्लेट के एक भाग के रूप में बुधवार को इस परियोजना का अनावरण किया गया।

स्टार-स्टडेड इवेंट मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया था। हिंदी, मराठी, बांग्ला, गुजराती, भोजपुरी और दक्षिणी भाषाओं सहित कई भाषाओं में 100 से अधिक कहानियां फिल्मों की शैलियों और मूल वेब सीरीज में रिलीज के लिए तैयार हैं। राज कुमार हिरानी, सूरज बड़जात्या, अली अब्बास जफर, आदित्य धर, प्रकाश झा, अमर कौशिक और लक्ष्मण उटेकर सहित हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े निर्देशक स्लेट के हिस्से के रूप में अपनी परियोजनाओं को जारी करेंगे।

स्लेट में फिल्म लाइन-अप में डंकी, ब्लडी डैडी, भेड़िया 2, भूल चुक माफ, शाहिद कपूर और कृति सैनन अभिनीत एक अनाम फिल्म, स्त्री 2, सेक्शन 84, हिसाब बराबर, जरा हटके जरा बच्चे, ब्लैकआउट, विजय सेतुपति अभिनीत मुंबईकर, द स्टोरीटेलर, धूम धाम और एम्पायर शामिल हैं।

वर्टिकल स्ट्रीमिंग सीरीज के लिए कुछ बहुप्रतीक्षित परियोजनाएं हैं यूनियन = द मेकिंग ऑफ इंडिया (के के मेनन और आशुतोष राणा), इंस्पेक्टर अविनाश, रफूचक्कर, रैपर रफ्तार का ओटीटी डेब्यू बजाओ, द मैजिक ऑफ शिरी, डॉक्टर्स और ए लीगल अफेयर।मराठी स्लेट में बाइपन भारी देवा, फोर ब्लाइंड मेन, 1234, खरवस, काटा किर्र और खशाबा शामिल हैं। जियो स्टूडियो यकीनन कालसूत्र, एक कलेचे मणि और आगा आई अहो आई जैसी प्रीमियम मराठी मूल वेब सीरीज में निवेश करने वाली एकमात्र कंटेंट कंपनी है।

इसी तरह, बांग्ला दर्शकों को मिथुन चक्रवर्ती, प्रोसेनजीत चटर्जी, जीशु सेनगुप्ता और निर्माता ध्रुबो बनर्जी, राज चक्रवर्ती, अनिर्बान भट्टाचार्य, श्रीजीत मुखर्जी और सुमन घोष जैसे बड़े नामों वाली परियोजनाओं के साथ व्यवहार किया जाएगा।गुजराती सिनेमा स्लेट में भी एक दिलचस्प लाइन-अप है जिसमें बच्चूभाई, चांदलो और गुलाम चोर शामिल हैं।

एनकाउंटर पर सवाल उठते आए है ?

विनीत नारायण

जिस तरह हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी तरह कुछ एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के घमंड और कभी-कभी उसके भ्रष्टाचार के चलते हर पुलिस एनकाउंटर को शक की निगाह से ही देखा जाता है। ख़ासकर जब राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के पाले हुए गुंडों का एंकाउंटर होता है तब तो जनता के मन में ऐसे ही सवाल उठते हैं कि ऐसे सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। परंतु सच्चाई तो जाँच के बाद ही सामने आती है।

उत्तर प्रदेश के व्यापारी आजकल कहते हैं कि योगी राज में मुसलमानों का आतंक ख़त्म हो गया है। इसलिए माफिया डॉन अतीक अहमद के बेटे असद अहमद की एनकाउंटर में मौत का समाचार उन लोगों को सही लगा। मैं एनकाउंटर के विषय में कुछ तथ्य और क़ानूनी पेचीदगियों का ज़िक्र इस लेख में आगे करूँगा। पर यहाँ एक सवाल जो समाजवादी पार्टी ने उठाया है वह भी महत्वपूर्ण है। वो यह कि स्थानिय चुनावों के पहले ही इस एनकाउंटर का क्या अर्थ निकला है? सिवाय इसके कि इस एनकाउंटर की खबर को दिन-रात टीवी चैनलों पर चलवाकर इसका फ़ायदा योगी सरकार को अगले महीने होने वाले निकायों के चुनावों में मिले।

इसलिये सरकार की नीयत पर शक होता है। क़ानून की नज़र में सब बराबर होने चाहिए। किसी अपराधी का कोई जाति या धर्म नहीं होता। इसलिए बिना भय और पक्षपात के अगर प्रदेश के माफ़ियाओं के विरुद्ध योगी सरकार कड़े कदम उठाती है तो उसका स्वागत ही होगा। पर ऐसे कदम सब अपराधियों पर एक समान उठाए जाने चाहिए, जो आज नहीं हो रहा है। हत्या, बलात्कार और पुलिस उत्पीड़न के शिकार कितने ही लोगों को न्याय नहीं मिल रहा। फ़रियादी हताश होकर आत्महत्या तक कर रहे हैं ऐसी खबरें अक्सर सामने आती रहती है।

उत्तर प्रदेश के एक विशेष जाति के माफ़ियाओं की सूची आज कल सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें योगी सरकार से पूछा जा रहा है कि इन माफ़ि याओं के विरुद्ध आजतक 'बुलडोज़रनुमा' कार्यवाही क्यों नहीं हुई? उनमें से किसी का एनकाउंटर क्यों नहीं होता? उत्तर प्रदेश सरकार की इस नीति के विरुद्ध भी बहुत लोगों को आक्रोश है।

एनकाउंटर उमेश पाल की हत्या के आरोपियों का हो या किसी अन्य का जब भी उस पर सवाल उठते हैं तो मामला जाँच कमेटी के पास पहुँचता है। आपको याद होगा कि कुछ ही समय पहले नवंबर 2019 में तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में हुए गैंगरेप और हत्या के चार अभियुक्तों के संदिग्ध एनकाउंटर को सर्वोच्च न्यायालय की जाँच समिति ने फ़र्ज़ी पाया। जाँच समिति द्वारा इन पुलिसवालों पर हत्या का मुक़दमा चलाने की सिफ़ारिश भी की गई।

पाठकों को याद होगा कि जब यह एनकाउंटर हुआ था, तब लोगों ने पुलिस का समर्थन करते हुए भारी जश्न मनाया था। जैसा असद व अन्य आरोपियों के एनकाउंटर पर भी हो रहा है। वहीं दूसरी ओर हमेशा की तरह पुलिस एनकाउंटर पर तमाम सवाल भी खड़े हो रहे हैं। प्राय: ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस द्वारा किए गए एनकाउंटर फ़र्ज़ी ही होते हैं। एनकाउंटर कब और कैसे होते हैं इस बात पर कोई विशेष ध्यान नहीं देता।

क़ानून की बात करें तो देश में मौजूद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) दोनों में ही एनकाउंटर का कोई भी ज़िक्र नहीं है। तो फिर सवाल उठता है कि पुलिस एनकाउंटर आख़िर है क्या? यदि कोई भी पुलिसकर्मी आत्मरक्षा में सामने वाले पर गोली चलाता है तो उसे सामान्य भाषा में एनकाउंटर माना जाता है। तो क्या पुलिस किसी भी अपराधी पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है? नहीं ऐसा नहीं है।

जब कभी भी पुलिस को किसी अपराधी के बारे में सूचना मिलती है और वह उसे गिरफ़्तार करने जाती है, तो अगर वो अपराधी आत्मसमर्पण कर देता है तब पुलिस उस पर बल प्रयोग नहीं कर सकती। यदि कोई कुख्यात अपराधी, जिसे उम्र क़ैद या उससे ज़्यादा सज़ा हो सकती है और वो गिरफ़्तारी से बचने के लिए भागने का प्रयास करता है और पुलिस उसे पकड़ नहीं पाती, तो उस सूरत में पुलिस उसे ज़ख़्मी करने की नियत से उसके शरीर के किसी भी हिस्से में गोली मार सकती है। प्राय: ये गोली उसकी टांगों में मारी जाती है। जिससे वह ज़्यादा दूर न भाग सके और उसे गिरफ़्तार कर लिया जाए। यदि ऐसे किसी अपराधी के पास कोई जान लेवा हथियार होता है और वो पुलिस पर वार करता है, तो केवल उस सूरत में पुलिस उस पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है।

मुंबई पुलिस के बहुचर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक और प्रदीप शर्मा से जब किसी पत्रकार ने पूछा कि मुंबई में अपराधियों की सफ़ाई के लिए आप दोनो को ही श्रेय दिया जाता है तो, उनका कहना था कि, हम तो अपराधियों को पकड़ने के लिए ही जाते हैं, लेकिन वो जब हम पर वार करते हैं तो हमें भी पलटवार करना पड़ता है। अपराधियों को भी पता है कि यदि वो पुलिस के हत्थे चढ़े तो कई सालों तक जेल के बाहर नहीं आएँगे। इसलिए इन सब से बच कर भागने के प्रयास में वे पुलिस की गोली का शिकार हो जाते हैं। उनके अनुसार 97-98 में जब मुंबई में गैंगस्टरों का आतंक चरम पर था तब सरकार कड़े क़ानून ले कर आई। अपराधी इन्हीं कड़े क़ानूनों से बचने की पुरज़ोर कोशिश में मारा जाता है। इसी के बाद से मुंबई के अंडरवर्ल्ड में एनकाउंटर का भय बढ़ने लगा। कारण चाहे कुछ और भी रहे हों पर मुंबई में गैंगस्टरों का आतंक थमने लगा।

पुलिस एनकाउंटर को बॉलीवुड की कई फ़िल्मों में भी दिखाया गया हैं। जहां ज़्यादातर एनकाउंटर को ऐसे दर्शाया जाता है कि भले ही वो एनकाउंटर फ़र्ज़ी हो, लेकिन जाँच में असली ही पाया जाए। लेकिन यदि किसी भी एनकाउंटर की योजना ग़लत नीयत से की जाती है तो वो आज नहीं तो कल पकड़ा ही जाता है।

इस बात के कई प्रमाण भी हैं जहां फ़र्ज़ी एनकाउंटर करने पर पुलिस वालों को सज़ा भी हुई है। इसका मतलब यह नहीं होता कि सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। जनता में पुलिस पर विश्वास की कमी होने के कारण ऐसी धारणा बन जाती है की ज़्यादातर एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं।

एक पूर्व आईपीएस अधिकारी ने दिल्ली में 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर का हवाला देते हुए बताया कि, पुलिस को ज़्यादातर मामलों में इस बात का पता होता है कि वो जहां गिरफ़्तारी करने जा रही हैं वहाँ कितना ख़तरा हो सकता है। ऐसे एनकाउंटर को एक सुनियोजित एनकाउंटर कहा जाता है। ऐसे एनकाउंटर में पुलिस की टीम पूरी तैयारी के साथ जाती है।

बाटला हाउस में सब जानकारी के बावजूद दिल्ली पुलिस के एक बहादुर अफ़सर मोहन चंद शर्मा शहीद हुए थे। पुलिस एनकाउंटर में काफ़ी ख़तरा होता है। पुलिसकर्मी भी घायल होते हैं, परंतु ऐसा मान लेना कि सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं सही नहीं। दोषियों को सज़ा देना अदालत का काम होता है न कि पुलिस का। लेकिन पुलिसकर्मी यदि आत्मरक्षा में गोली चलाता है तो उसे हमेशा ग़लत नहीं समझना चाहिए।

एनकाउंटर करने के लिए जिन अनुभवी पुलिसकर्मियों को चुना जाता है, उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। एनकाउंटर जोखिम भरा होता है और ऐसा जोखिम हर कोई नहीं ले सकता। उसके लिए हथियारों को सही ढंग से चलाना और सामने वाले से बेहतर निशाना लगाना आना चाहिए। परंतु ऐसे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्राय: विवादों में भी घिरे रहते हैं। जिस तरह हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी तरह कुछ एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के घमंड और कभी-कभी उसके भ्रष्टाचार के चलते हर पुलिस एनकाउंटर को शक की निगाह से ही देखा जाता है। ख़ासकर जब राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के पाले हुए गुंडों का एंकाउंटर होता है तब तो जनता के मन में ऐसे ही सवाल उठते हैं कि ऐसे सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। परंतु सच्चाई तो जाँच के बाद ही सामने आती है।

सू- दोकू क्र.100

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.99का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

तो म्यांमार के द्वीप से चीन की भारत जासूसी ?

श्रुति व्यास

लडखडाता, दरकता हुआ म्यांमार, भारत के लिए सिरदर्द बन रहा है। पिछले ही हफ्ते जारी लन्दन के एक नीति विश्लेषण समूह चैथम हाउस की रपट में कहा गया है कि कुछ ही समय बाद भारत के युद्धपोतों की आवाजाही पर म्यांमार की सेना की नज़र रहेगी। यों सन् 1990 के दशक से ही इस आशय की रपटें मिलती रही हैं कि म्यांमार ने चीन को कोको द्वीप समूह पर हवा से गुजरते रेडियो संदेशों को पढ़ने के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की अनुमति दी है। परंतु इस बार ये रपटें गंभीर चिंता का विषय हैं।

उपग्रह से लिए गए चित्रों से पता चलता है कि म्यांमार के कोको द्वीप समूह पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है जिसका उद्धेश्य नजदीकी अंडमान में भारत की सैन्य गतिविधियों की निगरानी के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना है। कोको द्वीप समूह, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी छोर से केवल 55 किलोमीटर दूर है।

दो साल पहले म्यांमार की सेना आंग सांन सू की के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार का तख्ता पलटकर सत्ता पर काबिज हो गई थी। जनरल मिन आंग ल्योन तानाशाह बन बैठे और उन्होंने भय तथा आतंक का जो राज कायम किया है वह सारी दुनिया के लिए चिंता का सबब बन गया है, विशेषकर भारत के लिए (यद्यपि भारत के म्यांमार से 'अच्छे रिश्ते' कायम हैं)। प्राप्त खबरों से संकेत मिलता है कि म्यांमार में लोगों को उसी प्रकार के हथियारों से मारा जा रहा है जिनका प्रयोग यूक्रेन में हो रहा है। सैन्य तानाशाह हथियारों के लिए रूस और चीन पर निर्भर हैं। इन हथियारों का प्रयोग जनप्रतिरोध को कुचलने के लिए किया जाता है। सबसे ताज़ा घटना मंगलवार सुबह की है जब सेंयांग इलाके में एक गांव में एक कार्यक्रम के दौरान हवाईजहाज़ से बम गिराए गए, इस क्रूर हमले में करीब सौ लोग मारे गए। इनमें कई महिलाएं और बच्चे थे। यह कार्यक्रम स्थानीय पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ), जो कि सैनिक शासन के विरूद्ध संघर्ष कर रहे वालंटियर्स का समूह है, द्वारा स्थापित प्रशासनिक भवन के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

म्यांमार में जो कुछ हो रहा है उस पर दुनिया की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है जैसी होनी चाहिए। कई देश सैनिक शासन और उसके जुल्मों की आलोचना तो कर रहे हैं किंतु जुबानी जमा खर्च से आगे बढ़ने को तैयार नहीं हैं। इनमें भारत भी शामिल है। भयग्रस्त लोग म्यांमार छोड़कर भाग रहे हैं और सीमा पार भारत के मिजोरम और मणिपुर में घुस रहे हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार मणिपुर में म्यांमार के 23 नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य में 129 म्यांमारी नागरिक पहले से ही हिरासत शिविरों में हैं। परंतु अब तक भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से यह नहीं बताया है कि म्यांमार की सीमा से सटे भारतीय राज्यों में उस देश से कितने शरणार्थी आ चुके हैं।

म्यांमार पहले से ही बंटा हुआ और बिखरा हुआ देश था। अब वह अफगानिस्तान बनने की राह पर है। अपनी मूलभूत आर्थिक आवश्यकताओं के लिए चीन पर पूर्ण निर्भरता के चलते बीजिंग जब चाहे तब म्यांमार के सैनिक शासकों की बांह मरोड़ सकता है।

जहां तक कोको द्वीप समूह का सवाल है, ऐसी खबरें हैं कि भारत सरकार ने म्यांमार को सेटेलाईट से ली गई वे तस्वीरें दिखाई हैं जिनमें चीनी कर्मी रेडियो सिग्नलों को पकड़ने की प्रणाली के निर्माण में जुटे हुए हैं। परंतु मिलिट्री जुंटा ने सभी आरोपों को गलत बताया है। भारत के चीन के साथ पहले से ही संबंध तनावपूर्ण हैं। क्वाड देशों के साथ भारत के बढ़ते सहयोग के चलते भी चीन हिंद महासागर में अपनी गुप्तचर प्रणाली को और सशक्त करना चाहेगा।

चैथम हाउस की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर कोको द्वीप समूह में म्यांमार का सैन्य ठिकाना पूरी तरह से स्थापित हो जाता है तो अंडमान-निकोबार और भारत की मुख्य भूमि के बीच होने वाले सारे सैन्य वार्तालाप और हवाई जहाजों, युद्धपोतों आदि की आवाजाही पर नजर रखी जा सकेगी। जो जानकारियां इकट्ठी होंगीं वे या तो गुप्तचरों के जरिए अथवा म्यांमार की सरकार की सहमति से शंघाई पहुंच सकती हैं।

रोगियों का विभाजन जाति के आधार पर करना स्वीकार नहीं: मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। जिपंस जगत मर्तोलिया ने ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित मेडिकल कैम्पों में मात्र जनजाति समुदाय के रोगियों की खून की जांच करने पर कड़ी आपत्ति जताई। कहा कि रोगियों का विभाजन जाति के आधार पर करना स्वीकार नहीं है। सीएमओ, सीडीओ तथा डीएम को शिकायती पत्र भेजकर इस तरह के मेडिकल कैम्पों पर रोक लगाने की मांग की।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन दिनों मेडिकल कैम्प लगाकर शरीर में खून की मात्रा की जांच की जा रही है। जांच में मात्र जनजाति समुदाय के रोगियों को लाभान्वित किए जाने पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया भड़क गए। उन्होंने कहा कि पहली बार सुना कि रोगियों का इलाज जाति पूछकर होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की भी इस तरह की मंशा है तो उन्हें स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्र के 25 ग्राम पंचायत चीन सीमा से लगे हुए है। इन ग्राम पंचायतों में इस तरह के मेडिकल कैम्पों की एक बार नहीं हर छः महीने में आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कैंप में रोगियों से जाति पूछकर इलाज हो रहा है तो उन्हें यह किसी भी कीमत में मंजूर नहीं है।

उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी पिथौरागढ़ को तत्काल प्रभाव से इन कैम्पों पर रोक लगाने की मांग की। कहा कि ऐसा नहीं किया गया तो वे सीएमओ कार्यालय पिथौरागढ़ में धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार तथा विभाग की इस संकीर्ण सोच पर उन्हें आत्मग्लानि हो रही है। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों को भी इस तरह की सोच को धरातल पर ले जाने से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंप बंद नहीं हुए तो वे अधिकारियों पर जातिवाद भड़काने का मुकदमा भी दायर करने से पीछे नहीं हटेंगे।

मन्दिर से दानपात्र चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मन्दिर से दानपात्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुर निवासी उदय सिंह नेगी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कैनाल रोड स्थित शनि मन्दिर से चोरों ने दानपात्र चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती घायल हो गयी। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार धूलकोट निवासी मनोरमा देशवाल अपनी स्कूटी से बाजार से घर की तरफ जा रही थी जब वह सुद्धोवाला से थोडी आगे पहुंची तभी सामने से तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। वहीं कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मॉल में दुकान दिलाने के नाम पर ठगे 41 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। मॉल में दुकान दिलाने के नाम पर 41 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवास विकास कालोनी नियर शिव शक्ति मन्दिर निवासी अनित कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अमित खनेजा पुत्र इन्द्रमोहन खनेजा, सुमित खनेजा पुत्र इन्द्रमोहन खनेजा, अशीष सेठी, सतीश कुमार अरोडा, सभी एमएनटी बिल्डकाम निदेशक / संबंधित है पता काम्नियुटी सेन्टर कैलाश न्यू दिल्ली है। इन लोगों ने अपनी सेल्स टीम के माध्यम से जी.आई.पी (बहुचर्चित शोम्पिंग कम्पलैक्स मॉल) की लुभावनी स्कीम दिखाते हुए से 01 जुलाई 2015 को दुकान- जी- 56 बेचने का अनुबंध स्टाम्प पेपर पर किया जिसमें 3 साल में दुकान को बनाके देने का लिखित में वादा किया तथा उससे अनुबंध के दौरान 41 लाख रूपये लिये। लेकिन इतने साल बीत जाने के बाद भी ना तो उसको दुकान दी और ना ही उसके रूपये वापस किये गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पांच मई से शुरू होगा यूथ-20 सम्मेलन

प्रदेश की प्राकृतिक व सांस्कृतिक सुन्दरता देश व विदेश तक पहुंचेगी: मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डा. एसएस संधू ने कहा कि यह सम्मेलन उत्तराखण्ड में आयोजित हो रहा है। उत्तराखण्ड एक पर्यटन प्रदेश होने के नाते हमें प्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक सुन्दरता का देश और विदेश तक पहुंचाने का अवसर है।

आज यहां मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में युवा कार्यक्रम और खेल, मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत 05 मई, 2023 को एम्स, ऋषिकेश में आयोजित होने वाले यूथ-20, जो कि भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 सम्मेलन का हिस्सा है, की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान बताया गया कि यूथ-20 इण्डिया शिखर सम्मेलन में देश के सभी राज्यों सहित विश्वभर के युवा प्रतिभाग करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि यह सम्मेलन उत्तराखण्ड में आयोजित हो रहा है। इसे देश और प्रदेश की छवि को दुनियाभर में प्रस्तुत करने का अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उत्तराखण्ड एक पर्यटन प्रदेश होने के नाते हमें प्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक सुन्दरता का देश और विदेश तक पहुंचाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों का स्वागत और रहने आदि की व्यवस्था उचित प्रकार से की जानी चाहिए। देश और विदेश से आने वाले सभी प्रतिभागियों को एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन एवं बस अड्डों में हेल्प डेस्क उपलब्ध करायी जाए, ताकि उन्हें कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। मुख्य सचिव ने पर्यटन, कृषि और उद्योग विभाग को कार्यक्रम के दौरान स्थानीय उत्पादों के स्टॉल लगाए जाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के समापन के बाद जब वे यहां से जाएं तो उनके मन में प्रदेश और यहां की कला एवं संस्कृति की एक अच्छी छवि जाए। चारधाम यात्रा के दौरान ऋषिकेश में कार्यक्रम आयोजित होने से प्रतिभागियों को जाम जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े इसके लिए विशेष प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने प्रतिभागियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के इंतजाम भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

ण्इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण अभिनव कुमार, सचिव दिलीप जावलकर, डॉ.बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, दीपेन्द्र कुमार चौधरी, अपर सचिव सी. रविशंकर, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, उपाध्यक्ष एमडीडीए एवं महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित एवं एम्स, ऋषिकेश के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार निरंजनपुर निवासी आसिफ खान ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी मोटरसाईकिल से राजपुर की ओर जा रहा था जब वह पुराने मसूरी मार्ग पर पहुंचा तभी सामने से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से कार लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जन सेवा समिति ने महंत देवेन्द्र दास को रामकथा का आमंत्रण दिया

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय देवभूमि ब्राहमण सेवा समिति ने अपने छठें वार्षिक उत्सव पर आयोजित श्री रामकथा का निमंत्रण समिति के मुख्य संरक्षक दरबार साहिब के महंत देवेन्द्र दास को आमंत्रण दिया।

आज यहां अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति के छठे वार्षिक उत्सव में आयोजित होने वाली श्री रामकथा आयोजन हेतु समिति के एक प्रतिनिधीमण्डल ने समिति संरक्षक लालचन्द शर्मा के साथ देवभूमि की राजधानी देहरादून के संरक्षक व समिति के भी मुख्य संरक्षक श्री गुरुराम राय दरबार मे गुरु महाराज की आराधना कर उनको श्री रामकथा का निमंत्रण प्रदान किया व समिति के सदैव संरक्षण करने की प्रार्थना की। श्री गुरु राम राय दरबार के महंत व समिति के संरक्षक देवेंद्र दास महाराज को भी कथा का निमंत्रण भेंट कर उनसे कथा में सम्मलित होने का आग्रह किया। देवेन्द्र दास महाराज ने समिति के प्रतिनिधीमण्डल के सभी सदस्यों का परिचय लेने के बाद सभी से अलग अलग विषयो पर बात की तथा समाज सेवा के कार्य निरन्तर करने का गुरुमंत्र प्रदान करते हुए श्री रामकथा आयोजन में महंत इंद्रेश अस्पताल को भी सहयोगी बनाते हुए जन कल्याण के लिए विभिन्न सुविधाओ से युक्त एक मेडिकल केम्प कथा स्थल पर आयोजित करने का निर्देश दिया।

समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा ने महाराज को विस्तार से बताया की ब्राह्मण समिति द्वारा 22 से 30 मई 2023 तक एक भव्य श्री रामकथा का आयोजन हिन्दू नेशनल स्कूल प्रांगण में होना निश्चित है। कथा के पूज्य व्यास पदमविभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के सानिध्य में 22 मई से 30 मई 2023 दोपहर 4 बजे से 7 बजे तक श्री राम नाम की महिमा होंगी तथा कथा स्थल पर ही नो दिन विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। समिति के प्रतिनिधीमण्डल में संरक्षक लालचन्द शर्मा, केंद्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष विजय जोशी, जिला अध्यक्ष अनुराग गौड, महानगर अध्यक्ष प्रवीण नवानी, प्रदेश संगठन मंत्री विचित्र शर्मा जिला उपाध्यक्ष डी के शर्मा, अभय उनियाल, महानगर सचिव सतीश शर्मा सम्मलित रहे।

एक नजर

प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के समर्थन में आए नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को भारत के लिए एथलीट्स में पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा का साथ मिला है। नीरज चोपड़ा ने न्याय की मांग के लिए खिलाड़ियों के सड़क पर उतरने को लेकर अफसोस जाहिर किया है। नीरज चोपड़ा ने देश के लिए खिलाड़ियों की मेहनत को सराहा है और उनकी मुहिम का समर्थन किया है। नीरज चोपड़ा ने ट्वीट कर कहा, न्याय की मांग को लेकर हमारे खिलाड़ी सड़क पर हैं। यह देखकर मुझे दुख होता है। हमारे महान देश को गर्व दिलाने के लिए इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। नीरज चोपड़ा का मानना है कि देश के हर नागरिक को न्याय देना देश की जिम्मेदारी है। नीरज ने कहा, देश के किसी भी नागरिक के आत्म सम्मान की रक्षा होनी चाहिए, चाहे वो खिलाड़ी हो या नहीं हो। नीरज चोपड़ा ने आगे कहा, जो हुआ है वो नहीं होना चाहिए था। यह बेहद संवेदनशील मसला है और इसे बहुत ही पारदर्शिता के साथ डील किया जाना चाहिए था। ऊपर बैठे लोगों को इस बात का भरोसा दिलाने चाहिए कि इन खिलाड़ियों को न्याय मिलेगा।

बता दें कि रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग को लेकर को लेकर रेसलर्स जंतर मंतर पर बीते 6 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। ये खिलाड़ी जनवरी में भी जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। हालांकि तब सरकार की ओर से न्याय का आश्वासन मिलने के बाद खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन वापस ले लिया था। लेकिन तीन महीने बाद भी मांगे पूरी नहीं होने के चलते खिलाड़ी दोबारा जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे।

'मन न मिले तो रिश्ते को खत्म कर देना ही बेहतर और श्रेयस्कर'

नई दिल्ली। मन न मिले तो ऐसे रिश्ते को विवाह के नाम पर झेलना क्रूरता है। ऐसे रिश्ते को खत्म कर देना ही बेहतर और श्रेयस्कर है। 25 सालों से अलग रह रहे पति-पत्नी की शादी सुप्रीम कोर्ट ने इसी टिप्पणी के साथ भंग कर दी। यानी तलाक की अर्जी को हरी झंडी दिखा दी। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि इतने बरसों के अलगाव के बावजूद दंपति को शादी के बंधन में बंधे रहने के लिए कहना क्रूरता को मंजूरी देना है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने दिल्ली के इस जोड़े के विवाह को खत्म करते हुए कहा कि हमारे सामने एक ऐसा शादीशुदा जोड़ा है जो मुश्किल से चार साल तक दंपति के तौर पर एक छत के नीचे साथ साथ रहा। लेकिन संबंधों में खटास, रिश्तों में दरार और मतभेद मनभेद की वजह से पिछले 25 सालों से दोनों अलग रह रहे हैं। साथ ही उनके अनुराग का सबूत या प्रतीक उनकी कोई संतान भी नहीं है। इनका वैवाहिक बंधन पूरी तरह से टूटा हुआ और श्मरम्मतश से परे है। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह रिश्ता खत्म होना चाहिए। क्योंकि इतना कुछ हो जाने के बावजूद इस जीर्ण हो चुके रिश्ते की निरंतरता को बनाए रखना श्क्रूरताश को मंजूरी देना होगा।

जाली लाइसेंस से परोस रहे थे रेस्टोरेंट में शराब, संचालक गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-117 स्थित सोरखा गांव के पास स्थित यम्मी टमी रेस्तरां में फर्जी लाइसेंस दिखाकर शराब परोसी जा रही थी। आबकारी विभाग की टीम ने बुधवार रात रेस्तरां में दबिश देकर मामले का पर्दाफाश किया है। वहीं पुलिस ने रेस्तरां संचालक परितोष श्रीवास्तव और सहायक करण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से बीयर की 22 कैन और 11 बोतल अंग्रेजी शराब के अलावा शराब और बीयर की आठ खाली बोतलें बरामद हुई हैं।

जिला आबकारी अधिकारी आरबी सिंह ने बताया कि हर वीकेंड में कुछ रेस्तरां संचालक अस्थायी बार लाइसेंस लेकर ग्राहकों को शराब पीने की सुविध ा देते हैं। विभागीय टीम इसकी छानबीन करती है। आबकारी निरीक्षक रवि जायसवाल, गौरव चंद, अभिनव शाही की टीम सेक्टर-113 कोतवाली क्षेत्र में जांच करने गई थी। इसी दौरान सूचना मिली थी कि सेक्टर-117 स्थित एक रेस्तरां में अवैध रूप से शराब परोसी जा रही है। आबकारी विभाग की टीम सेक्टर-117 स्थित यम्मी टमी रेस्तरां पहुंची, जहां ग्राहकों को शराब परोसी जा रही थी।

टीम ने रेस्तरां संचालक परितोष श्रीवास्तव से लाइसेंस मांगा तो उन्होंने फर्जी अस्थायी लाइसेंस दिखाकर गुमराह करने की कोशिश की। छानबीन में पता चला कि संचालक ने अस्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, जो निरस्त हो गया था। उसे ही आधार बनाकर आरोपी अवैध रूप से शराब परोस रहे थे।

वाह उत्तराखण्ड पुलिस नो पार्किंग में, कट गया पुलिस की गाड़ी का चालान

चारधाम यात्रा में चारों तरफ अव्यवस्थाएं

❑पेयजल व शौचालय तक की व्यवस्था नहीं
❑अव्यवस्थाओं से यात्रियों को हो रही है परेशानी

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर भले ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बड़े-बड़े दावे कर रहे हो और अपनी व्यवस्थाओं को ही अपना ब्रांड एंबेसडर बता रहे हो लेकिन यात्रा के प्रारंभिक दौर में सरकार की यात्रा व्यवस्थाओं की पोल खुल गई है।

बद्रीनाथ धाम के प्रवेश द्वार जोशीमठ के नरसिंहं मंदिर में स्थित जाने-माने यात्री निवास में यात्रियों के लिए पीने को एक गिलास पानी तक उपलब्ध नहीं है और न ही शौचालय की कोई बेहतर व्यवस्था है। बीते कल बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के दौरान भी यहां तमाम तरह की अव्यवस्थाएं देखने को मिली। यहां चल रहे निर्माण कार्यो के कारण तमाम पुरानी व्यवस्था और रास्ते बदल दिए गए हैं लेकिन यात्रियों को कोई भी रास्ता बताने वाला नहीं है जिसके कारण यात्रियों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। दावा किया गया था कि जगह-जगह मार्ग संकेत पट लगाये जाएंगे, पुलिस यात्रियों की मदद को तैयार रहेगी लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था देखने को नहीं मिली है। पुलिसकर्मी जो यात्रियों की मदद को तैनात किए गए हैं उनके द्वारा भी यात्रियों से अभद्रता करने की शिकायतें भी सामने आई हैं। अभी केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के दौरान भी धाम में यात्रियों के ठहरने और खाने-पीने की उचित व्यवस्था नहीं हो पाई। जिसके कारण यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ी। उधर यमुनोत्री धाम के जानकीचट्टी में कुलियों की भीड़ यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को हैली टिकट की बुकिंग से लेकर रजिस्ट्रेशन तक एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यात्रा मार्गों की स्थिति जैसी है वह सभी के सामने हैं तथा इन मार्गों पर यात्री सुविधाओं का भी अभाव है। जिसके कारण यात्रियों को असुविधा हो रही है।

होमस्टे संचालक दुष्कर्म के प्रयास में दो साथियों सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। राज्य सरकार जहां प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नित नये नये प्रयास कर रही है वहीं राज्य के ही कुछ लोगों की करतूत से पर्यटन प्रदेश को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ रहा है। यहां ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें होमस्टे संचालक द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पर्यटकों के साथ आयी मेड के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। हालांकि मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए होमस्टे संचालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

दुष्कर्म के प्रयास का यह मामला विश्व प्रसिद्व नैनीताल स्थित भीमताल का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

भीमताल के एक होमस्टे में कुछ पर्यटक आकर रुके थे।

बताया जा रहा है कि उनके साथ उनकी मेड भी आई थी। आरोप है कि होमस्टे संचालक द्वारा होमस्टे में कार्यरत दो युवकों के साथ मिलकर बुधवार को मेड के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। इस बात की जानकारी जब पर्यटकों को हुई तो उन्होने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। जिस पर पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सी.ओ.नितिन लोहनी के नेतृत्व में टीम बनाई। पुलिस टीम ने तत्काल धरपकड़ शुरू कर घटना में लिप्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के नाम किशोर, रौशन और दीप बताये जा रहे है।

उत्तराखण्ड के चार गैंगस्टरों ने किया यूपी... ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड के थाना भगवानपुर के गांव लालवाला निवासी दो भाईयों सहित चार गैंगस्टर के आरोपियों ने थाना बिहारीगढ़ पहुंच कर थाना प्रभारी के सामने अपराध से तौबा करने की कसम खाई।

थानाध्यक्ष बीनू सिंह के अनुसार गैंगस्टर के इन चारों अपराधियों पर उत्तराखण्ड के थाना भगवानपुर व उत्तर प्रदेश के थाना बिहारीगढ़ में चोरी, लूट व पुलिस मुठभेड़ के दर्जनों मुकदमें दर्ज है। उन्होने बताया कि गैंगस्टर के इन आरोपियों ने थाना परिसर में पहुंच कर अपराध से तौबा करने की कसम खाई है।

उत्तराखण्ड के इन गैंगस्टरों के नाम भगवानपुर के लालवाला निवासी दो भाई तौकीर व शौकीन पुत्र जुल्फान तथा साबिर पुत्र आलिया व फैजान पुत्र सालिम बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।